॥ श्री धर्म-भक्ति-प्रेम-सुबोध सद्गुरुभ्यो नमः ॥

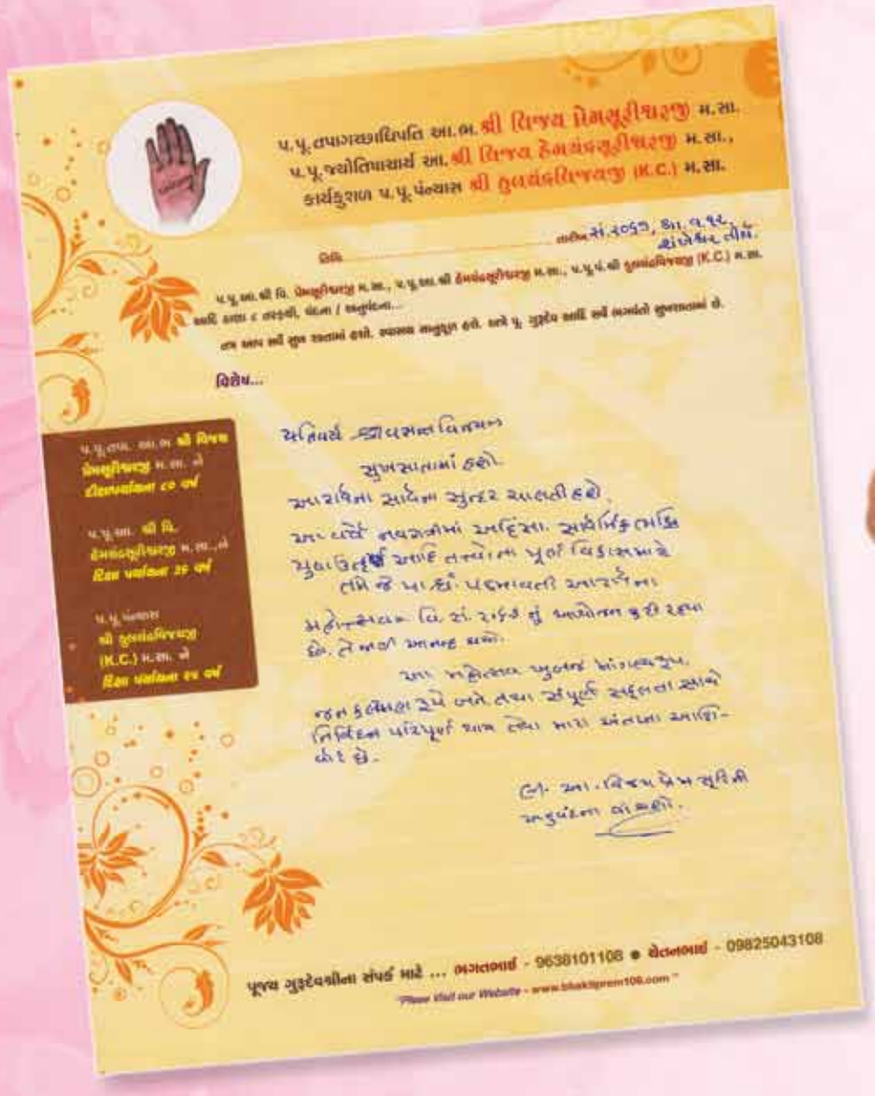
પ.પૂ.તપાગચ્છાધિપતિ આ.ભ.શ્રી વિજય પ્રેમસૂરીશ્વરજી મ.સા.
પ.પૂ.જ્યોતિષાચાર્ય આ.શ્રી વિજય હેમચંદ્રસૂરીશ્વરજી મ.સા.,
કાર્યકુશળ પ.પૂ.પંન્યાસ શ્રી કુલચંદ્રવિજયજી (K.C.) મ.સા.

તિથિ ..... તારીખ સં.૨૦૬૩, આ.વ.૧૧, શંખેશ્વર તીર્થ.

પ.પૂ.આ.શ્રી વિ. પ્રેમસૂરીશ્વરજી મ.સા., પ.પૂ.આ.શ્રી હેમચંદ્રસૂરીશ્વરજી મ.સા., પ.પૂ.પં.શ્રી કુલચંદ્રવિજયજી (K.C.) મ.સા.
આદિ ઠાણા ૮ તરફથી, વંદના / અનુવંદના...
તમ આપ સર્વે સુખ શાતામાં હશો. સ્વાસ્થ્ય અનુકૂલ હશે. અને પૂ. ગુરુદેવ આદિ સર્વે અમારાંતો સુખશાતામાં છે.

વિશેષ...

પ.પૂ.તપા. આ.ભ. શ્રી વિજય પ્રેમસૂરીશ્વરજી મ.સા. નો દીક્ષાપર્યાય ૮૦ વર્ષ

પ.પૂ.આ. શ્રી વિ. હેમચંદ્રસૂરીશ્વરજી મ.સા. નો દીક્ષા પર્યાય ૩૬ વર્ષ

પ.પૂ.પંન્યાસ શ્રી કુલચંદ્રવિજયજી (K.C.) મ.સા. નો દીક્ષા પર્યાય ૨૪ વર્ષ

સવિનય શ્રાવકમલ વિનયમ
સુખશાતામાં હશો.
આરાધના સાદેમ સુંદર ચાલતી હશે.
આ વર્ષે નવકારજીમાં અહિંસા. સાર્વભૌમિક ભક્તિ
મુક્તિ ઉત્કર્ષ આદિ તત્ત્વોમાં પૂર્ણ વિકાસમાં છે
તમે જે પાર્શ્વ પદ્માવતી આરાધનાના
મહોત્સવમાં વિ.સં. ૨૦૬૩ નું અયોજન કરી રહ્યા
છો. તેમાં આનંદ થયો.
આ મહોત્સવ ખૂબજ મંગલરૂપ.
જન કલ્યાણ રૂપે બને તથા સંપૂર્ણ સફલતા સાથે
નિર્વિઘ્ન પરિપૂર્ણ થાય તેવા મારા સંતવ્ય આશી-
ર્વાદ છે.

ઇતિ. આ. વિજય પ્રેમસૂરિની
અનુવંદના વાંચશો.

પૂજ્ય ગુરુદેવશ્રીના સંપર્ક માટે ... ભગતભાઈ - 9638101108 • સેજલભાઈ - 09825043108
"Please Visit our Website - www.bhaktiprem108.com"

...आशीर्वचन युक्त पावन प्रेरणादाता
प.पू. गुरुदेव, तपागच्छाधिपति, आचार्यदेव
श्रीमद्विजय प्रेमसूरीश्वरजी म.सा.

प.पू. आचार्यदेव
श्री हेमचंद्रसूरीश्वरजी म.सा.

प.पू. आचार्यदेव
श्री कुलचंद्रसूरीश्वरजी (K.C.) म.सा.

पार्श्व-पद्मावती आराधक
कृष्णगिरी शक्तिपीठाधिपति
राष्ट्रसंत, प.पू. यतिवर्य डॉ.
श्री वसंतविजयजी म.सा.

ॐ ह्रीं श्रीं अर्हं श्री धरणेन्द्र पद्मावती परिपूजिताय श्री चिंतामणी पार्श्वनाथाय नमो नमः ॥ ॐ ह्रीं श्री ऋषभादी वर्धमानान्ता चतुर्विंशंती तीर्थंकर देवेभ्यो नमो नमः
ॐ ह्रीं श्री गणधर गौतमस्वामिने नमः ॥ ॐ ह्रीं श्री सर्व गुरु-परमगुरु-परमेष्ठीगुरु-अनन्तगुरु-अनन्तानन्तगुरु पादुकाभ्यो नमोः ॥ श्री धर्म-भक्ति-प्रेम-सुबोधसूरि सद्गुरुभ्यो नमः

ॐ गं गणपतये नमः ॥ ॐ ह्रीं क्षं क्षेत्रपालाय नमः ॥ ॐ ह्रीं बँ बटुकभैरवाय नमः ॥ ॐ ह्रीं क्षँ भौमिया भैरवाय नमः ॥
ॐ ह्रीं श्री नागेन्द्र धरणेन्द्र देवाय नमः ॥ ॐ ह्रीं श्री माणीभद्र देवाय नमः ॥ ॐ ह्रीं श्री पार्श्वयक्ष देवाय नमः

ॐ ह्रीं श्री भगवती राजराजेश्वरी कृष्णगिरी शक्तिपीठ वासिन्यै पद्मावती मातायै नमः ॥ ॐ ह्रीं श्री धरणेन्द्र द्वितिया प्रियायै श्री वैरोटचादेव्यै नमः ॥
ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मी देव्यै नमः ॥ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं क्लीं वद वद वाग्वादिनी भगवती सरस्वत्यै नमः ॥
ॐ ऐं ह्रीं श्री बाला महात्रिपुर सुन्दर्यै नमः ॥ ॐ ह्रीं श्री सर्वशासन देव-देवी देवताभ्यो नमः ॥ ॐ ह्रीं श्री सर्वसहयोगी देवी देवताभ्यो नमः

आत्मिय बंधुओं ! धर्मलाभ.....

आपके करकमलो में श्री पार्श्व पद्मावती आराधना महोत्सव २०११ की यह विशिष्ट आमंत्रण पत्रिका आपके लिए अनमोल भेंट के रुप में समर्पित है। मुझे प्रसन्नता है कि यह जिनशासन, जो विश्वभर के धर्मो में अद्भूत एवं मुकुटमणि समान है, दुनिया के समस्त जीव राशियों तथा देवेन्द्र-शक्रेन्द्र-चमरेन्द्र-धरणेंन्द्र आदि इन्द्रो द्वारा वंदित प्रभु अरिहंत की शासन की सेवा करने का सौभाग्य हम सब को प्राप्त हुआ। हम पुराने इतिहास को जब देखते है तब हम को विस्मयसहित सोचना पडता है के जिनेश्वर की आराधना प्राचीन काल में किस अद्भूत भाव से होती थी। कुमारपाल राजा के चरित्र एवं इतिहास को हम देखते है की कुमारपाल महाराजा जब श्री शत्रुंजय महातीर्थ की छ'री पालित यात्रा के लिए जाते थे तब लाखो घोडे, हजारों हाथी, एवं करोडो मनुष्यों के समूह को लेकर प्रभु दरबार के लिए कूच करते थे ! आज थोडा विचार करना जरुरी हैं कि क्या हम श्रावक परिवार अपने बेटी-बेटे की शादी-विवाह में जितना खर्च करने में उत्साह बताते है उतना ही उत्साह जिनेश्वर परमात्मा की आराधना में बताने की कोशीश करते हैं ? आज जहाँ भी विवाह आदि उत्साह देखने में आते है किसीने १५० व्यंजन बनाये तो कीसी ने २०० किन्तु जब किसी मंदिर का कार्य आता है तो ट्रस्टीओं की बैठक होती है, उसमें निर्णय होता है कि कम से कम आडंबर हो। अब यह सोचना है की जिस अरिहंत परमात्मा के चरण में देवेन्द्र-इन्द्र-शक्रेंद्र आदि समस्त देव नतमस्तक होकर अनुपम वैभव के साथ प्रभु भक्ति में तल्लीन होते हो ऐसे ऋद्धीधारी अरिहंत की भक्ति में कंजूसी करें एवं अपने संसारिक उत्सवों में खूब आडंबर करे, यह कैसी विडंबना ! प्रभु भक्ति करते है तो इसका नाम आडंबर नहीं है यह तो अरिहंत के प्रति कृतज्ञता है एवं हमारी श्रद्धा एवं समर्पण है। हम समर्पण भाव से जितना भी करते है उतना हम अपने जीवन को धन्य बना लेते है। मनुष्य अनेकों पापो से अपने आपको सदा लिप्त रखता है इन समस्त पापों को अगर एक कलंक माना जाय तो प्रभु भक्ति उस कलंक को पोंछने वाला एक सुंदर पंख है। प्रभु भक्ति में न कुछ सोचना है, न कुछ समजना है, सिर्फ प्रभु दिखे और प्रभु की भक्ति दिखे उसी को प्रभु भक्ति कहा जा सकता है।

नवयुवाओं की नयी नवरात्री : आज भटका हुआ युवा वर्ग नवरात्री महोत्सव के नाम से दांडीया रास खेलने जाता है और अविवाहीत कन्याएँ सबसे ज्यादा नवरात्री काल में ही गर्भवती होती है। आज भटकते समाज को धर्म की ओर ले जाने के लिए सबसे बडी जरुरत लग रही है कि हम सभी मिलकर कोई विशेष प्रयास करें। अगर हम मात्र कुछ सीमाओं में बंधे रहे तो धर्म रुपी मटकी के छीद्र से जो आचरण रुपी पानी निकलने लगा है इसको रोकने के सभी प्रयास विफल ही हों। एक दिन हम देखेंगे कि मटकी खाली पडी है और सारा पानी बाहर निकल गया है। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की आ गई है कि हम सब मिले और कीसी तरह इस छिद्र को रोकें। आज भी युवा वर्ग जितना उत्साह क्लब जाने में, पब जाने में, बाहर धूमने में लेता है उतना उत्साह जिनशासन की भक्ति में नहीं लेता। क्योंकि कभी कभी कठोरता किसी के लिए अनुगमनीय नही होती। इसलिए मैं यह सदा सोचता रहा की हम को भी इस युवकों के मानसपटल को समझ के उनको प्रेम से सही रास्ते में लाना चाहिए ! हमने यह सोचा की एक ऐसा महोत्सव हो जिसमें नित्य प्रभु आराधना, अरिहंत की भक्ति अनेक प्रकार की पूजाओं के साथ हो। साथ ही साथ शास्त्रो में जैसे बताया गया है, अट्ठाई तप से, अनेको प्रकार की क्रिया से, सामायिक-प्रतिक्रमण से भी सबसे बडी है साधर्मिक भक्ति, जिसको पर्युषण पर्व के पांच कर्तव्यों में श्रेष्ठ कर्तव्य माना गया है। इन ६ दिनो में हमने ऐसी कोशीश की है कि मुंबई महानगर स्थित अभावग्रस्त साधर्मिको के लिए कुछ सिलाई मशीन आदि आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया जाये, ताकी उनका यावज्जीवन व्यवस्था चलती रहे ! एवं साधर्मिक भक्ति का लाभ हो ! हमने यह भी सोचा है कि नित्य सैंकडो शिक्षालयो से विद्यार्थीओं को बुलाया जाये एवं उन सबको अहिंसा धर्म की विशेषता और आवश्यकता पर बोलने का समय दिया जाय और श्रेष्ठ सहभागियों को विशेष पुरस्कार से सन्मानित करें ताकी पूरा महाराष्ट्र एक नयी चेतना की और आगे बढें। इस महोत्सव में नित्य संध्या काल में प्रभु एवं देवो की भक्ति भावना के लिए भी एक विशेष स्थान दिया गया है।

भूकम्प में जीर्ण-शीर्ण समेतशिखरजी की टूंको को वापस निर्माण करने में जिन्होने पूर्ण सहायता की ऐसी शासन देवी भगवती पाताल लोक वासिनी, पार्श्वचरण सेविका इन्द्राणी पद्मावती देवी की आराधना आज पंचमकाल में पूर्ण रुपेण चमत्कारीक एवं सुलभ फलदायी मानी गई है। इस भगवती देवी की आराधना को भी इस महोत्सव में विशेष स्थान दिया गया है।

श्री पार्श्व पुराण में एवं पद्मावती आराधना उपासना ग्रंथो में आसोज की नवरात्री के दिवस दैवी आराधना के लिए विशिष्ट दिवस माने गये है। इसलिए भी हमने सोचा है के इस आराधना में आनेवाले हर साधर्मिक-श्रावक बंधुओ के लिए श्रेष्ठ उपासना का दिन बने और इन उपासना क्रमों से उनकी हर मनोकामना पूर्ण हो, हर इच्छा पूर्ण हो, हर वांछा पूर्ण हो। जिससे वह जिनशासन की भक्ति के लिए पूर्ण रुप से समर्पित हो जायें ! आज समाज सभी प्रकार की आवश्यकताओं से परिपूर्ण हो यह भी सोचना हर साधक का धर्म है। भले ही साधना के लिए साधक स्वयं को समाज से अलग किया है लेकिन उसी साधना के पूर्ण फल को समाज को देने के लिए ही समाज से अलग हुए है इसीलिए समाज से अलग होना भी समाज के कल्याण के लिए ही है। तो श्रमण संघने आज जितनी जिनभक्ति आराधना में जिनशासन आराधना में समाज को लगाया है मैं जानता हूँ, मैं यह ठोस रुप से कह सकता हूँ कि आज साधक एवं मुनि भगवंतो की कृपा के कारण ही जिन शासन की ज्वलंत भक्ति शाश्वत बनी रही है। हम सब मिलकर इस विशिष्ट भक्ति उत्सव में भाग लें । हमने इसी महोत्सव के आयोजन के समय एक विशेष चिंतन को सदा मन में रखा की भाई ! भटकते युवा वर्ग को कैसे संवारा जाये। युवा वर्ग की प्रगति एवं उन्नति के लिए हमने काफी सारे उत्सव के सोपान को बनाये। लेकिन विशेष रुप से संध्या काल में डॉ. प्रवीणजी जैन द्वारा निर्देशित विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया हैं जिसमें नित्य अनेक क्षेत्रो के प्रसिद्ध लोग कुछ विशेष बातें युवकों को समझाने आयेंगे जिसमें हजारों युवक इसका लाभ लेकर अपने जीवन को धन्य बनायेंगे।

इस युवा जागरण कार्यक्रमों के माध्यम से विश्व को समझने की ताकत, विश्व के साथ जुडने की ताकत, विश्व को अपने साथ साकार बनाने की ताकत, अपने मन और चिंतन को स्वस्थ बनाने की ताकत देने का पूर्ण प्रयास किया जा रहा है। आज माँ-बाप और बच्चों के बीच में जो दरार पड रही है इसके बारे में भी इसी संध्याकाल में बच्चों और माता-पिता के साथ एक विशिष्ट बैठक भी होगी। आज हर एक व्यक्ति चाहता है कि अगर मैं बडा व्यक्ति बनता तो जिनशासन की त्रिविध भक्ति करके जीवन को धन्य बनाता। आज अर्थ बिना तो संसार सब को बेकार लगता है, लेकिन अर्थ की प्राप्ति किस प्रकार से धर्म युक्त हो सकती है इसका चिंतन भी होगा और साथ में दिव्य शक्तियों की प्राप्ति को प्रार्थना के साथ, चक्र जागरण के साथ कैसे कर सकते है इस दिव्य विषय पर भी चिंतन होगा। और **''बहुमुल्य समय''** जिसको भगवान महावीरस्वामीजी **''समयं गोयम मा ! पमाए''** (एक क्षण का भी प्रमाद मत करो) कहकर गौतमस्वामी को जगाते थे। इसी अतिमुख्य विषय पर हम चर्चा करेंगें। समय के हर क्षण का किस प्रकार से सुंदर रुप से हम उपयोग कर सकते है और इस उपयोग के लाभ को अपने जीवन में कैसे उपयोग में ला सकते है इस पर भी विशिष्ट चिंतन होगा।

आज हर व्यक्ति चाहता हैं के मैं नायक बनूं। नायक बनने की कल्पना में ही समाज में विश्व में आज तक बहुत सारे युद्ध हो गये। लेकिन एक नायक इस संसार में ऐसा बना जो किसी धर्म में नहीं बना। पूरे संसार में युद्ध अनेकों हुए और हर एक युद्ध में योद्धा दूसरों के साथ लडता रहा और दुसरों के

साथ लडते समय स्वयं को नायक समझता रहा। लेकिन एक ऐसे महानायक का जन्म हुआ जो दूसरों के साथ नहीं स्वयं के साथ लडे थे जो नायक ही नहीं, वीर ही नहीं, महावीर बनकर इस जिनशासन के लिए प्रेरणादायी स्रोत बने । हमने ऐसी कोशिश की है यह महानायक, अभिनायक, सुनायक, एक संस्कार नायक भगवान महावीर की प्रेरणा इस जिनशासन को मिली है तो इस शासन में पले, बडे हुए इन युवान बच्चों को भी नायक बनाने की कोशिश होनी ही चाहिए । इसीलिए कैसे हम व्यक्तिगत गरिमा को प्राप्त कर सकते है इस पर भी सुंदर चर्चाए इस महोत्सव दरम्यान होंगी। जो आज तक किसी उत्सव में नहीं हुई है। इन समस्त आयोजनों में आप सभी भाग लें ऐसी मेरी पूर्ण इच्छा है। जीवन की काया पलट करनेवाला यह महोत्सव आपके जीवन को ही नहीं आपके चिंतन को ही नहीं आपके मन को ही नहीं आपकी दृष्टि को भी बदलकर एक नयी चेतना प्रदान करेगा ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

आमंत्रण पत्रिका की विशिष्टता : आज कल नई साडीयों की, नये गहेंनो की, नये चीजों की नित्य हर व्यक्ति को इंतजार रहता है कि कब बाजार में नई चीज आयेगी। लेकिन मैं कहता हूं की जिन शासन के श्रावक-श्राविका नयी साडी, नये आभूषण, नये विषयों का इन्तजार करते है या नहीं, मुझे पता नहीं लेकिन कृष्णगिरि शक्तिपीठ से निकलने वाली नयी पत्रिका की जरुर से बेताबी से इन्तजार करते हैं। उसी क्रम में इस बार हमने आपको एक अनमोल भेंट दी है। किसी भी दिशा में आंख मोडो तो भगवान आपके साथ हो जाये इससे ज्यादा संसार को क्या चाहिए । हम जब भी परमात्मा को देखते है तो यही कहते है की प्रभु आपकी दृष्टि मुझ पर रहे। मैने सोचा के सदा प्रभु की दृष्टि हम पर हो इस के लिए क्या करें ? मुझे एक ही रस्ता सुझा की सूक्ष्म रुप से अगर हम ध्यान में बैठेंगे तो प्रभु की दृष्टि हम पर पड सकती हैं लेकिन स्थूल रुप से जिस वस्तु पर हम आराधना करते है सिर्फ हम उसके सामने रहे तो ही वह हम को देखते है वरना हम धूमे तो प्रभु तो धूम नहीं सकते, लेकिन आज विज्ञान इतना बढ गया है कि आज प्रभु भी हमको देखकर धूम सकते हैं। तो विश्व में पहली बार हमने कोशिश की है अेक 3-D चित्रांकित श्री पार्श्व-पद्मावती के बहु मूल्य चित्र के साथ पत्रिका को प्रस्तुत किया जाय। जिसमें आप देखते है के जगदंबा पद्मावती के बारे में स्तोत्रों मे कहा गया है ...

''जिन्हाग्रे नासीका ग्रे हृदी मनसी दशो कर्णयों नाभि पद्मे,
स्कंधे कंठे ललाटे सिरसिज भुजयोः पृष्टि पार्श्व प्रदेशे,
सर्वांगो पांग शुद्धयाह्यतिशय भवनं दिव्य रुपं स्वरुपम्,
ध्यायामः सर्व कालं प्रणवलयगतम् पार्श्वनाथैक शब्दम्।''

जिसके रोम, जिसके हृदय, जिसके बाल, जिसके कंठ, जिसके नेत्र, जिसकी नासीका, जिसके स्कंध, जिसके होंठ, जिसकी दंत पंक्तियां, जिसकी जिव्हा, जिसका रोम रोम सदा जिनका स्मरण करते है, इस पत्रिका में उस भगवती पद्मावती ने अपने हृदय में प्रभु पार्श्वनाथ को धारण कर लिया है जैसे ही आप देवी पद्मावती को देखेंगे तो तुरंत अंदर से प्रभु पार्श्वनाथ प्रगट होकर बहार निकल रहे हैं ऐसा प्रतित होगा और जिन्होंने मेरे जीवन को तार के मुझे धन्य बनाया ऐसे मेरे **सद्गुरुदेव तपागच्छाधिपति प.पू.आ.श्री विजय प्रेमसूरीश्वरजी महाराजा** जिनको सदा मैं हृदय में धारण करता हूँ। आप देख सकते हैं कि जैसे ही मैं अंतर हृदय से वंदना करता हूं तो तुरंत मेरे गुरुदेव आगे बढकर मुझे दर्शन दे रहे है इस प्रकार के दिव्य चित्र भी इस महोत्सव में आपके लिए ही तैयार कराये है। इसके अलावा भी मैने दुर्लभ चित्रकारों को बैठाकर जिन चित्रों का नवनिर्माण करवाया ऐसे **विश्व का अद्भूत एक मात्र अद्वितीय बटुक भैरवजी देव का चित्र** एवं विश्वभर में कहीं भी देखने नहीं मिले ऐसे **अन्नपूर्णी पद्मावती माता** आदि अनेक देव-देवीयों के दूर्लभ चित्र इस पत्रिका में प्रस्तुत किये गये है। जिनके दर्शन मात्र से आपकी अनेक पिडाअें दूर भागेगी। ऐसा दिव्य प्रकाश इस दर्शन से आपके अंदर प्रवेश करेगा जिससे जीवन भर फिर कभी आपके जीवन में अंधकार हो नहीं सकता। अनेको मंत्रो की श्रृंखला इस बार इसमे दी गयी है। जिसमे शासन का मंत्र कवच वज्रपंजर स्तोत्र से लेकर तीर्थंकर भगवंतो की स्तुति, स्तवन, आराधना, श्री माणीभद्रवीर आदि अनेक देवों की आराधना। पद्मावती, चक्रेश्वरी, महालक्ष्मी, सरस्वती आदि अनेक देवीयों के आराधना मंत्र सहित सेंकडो मंत्र इस बार आपको दिये गये है, जिसके स्मरण मात्र से आपके जीवन में अनेक प्रकार के शुभ कार्य हो सकते है।

आभार स्वीकार : इन सभी प्रयासों में जिन जिन्होने मुझे सहयोग किया उन सभीको अगर मैं याद नहीं करता हूं तो शायद कहीं मैं कमी रखता हूँ। इसलिए इसमें सबसे पहले मैं धन्यवाद देना चाहुंगा हमारे सेवा मंडल ट्रस्ट के समस्त ट्रस्टीओं को जिन्होंने इस शुभ कार्य में अनहद सहयोग दिया है ! साथ साथ हमारे प्रिय शिष्य सिद्ध शक्ति पद्मावती पीठ के योगी **श्री चन्द्रसेनजी** को एवं मीडीया के अनेक लोग तथा पत्रिका को विशिष्ट रुप देने में रात-दिन कार्यरत **नेहज प्रीन्टर्स, जयेशभाई** एवं उनके संगी साथीओ को विशेष रुप से आशिर्वाद दे रहा हूं क्योंकि पिछली बार जो पत्रिका नीकली थी पूरे मुंबई मात्र में यह एक चर्चा का एवं प्रसंशा का विषय बना था। इस बार तो इसका दुगुना रुप हुआ है और कई गुना इसमें अनेक अंश जुडे गये है यह अपने आपमें लोगों के लिए मंगल कार्य बनेगा। कभी किसीके मन में लगता हैं क्या कोई द्रव्य-पदार्थ मनुष्य के भावना को स्वीकार सकता है ? कागजों के कुछ पन्ने क्या किसी के जीवन में परिवर्तन ला सकते है ? अगर कीसी के मन में ऐसी कोई बात है तो मैं उनको बडे विश्वास के साथ कहना चाहुंगा, ये मात्र कागज के टूकडे नहीं है, परंतु अरिहंत परमात्मा के द्वारा दिये गये संदेशों के बहु मुल्य बिन्दु है, बूंद है, जिस बूंद के पढ़ने मात्र से लोहा सोना बन सकता है। अंत में इतना ही कहना चाहूंगा की :

''इन्सानियत इन्सान को इन्सान बना देती है, पानी हर बीज को पौधा बना देता है, लगन हर मुशकिल को आसान बना देती है वरना कौन पढता पुस्तकों को... यह पुस्तक ही तो संसार को सार्थक बना देती है।''

इस पुस्तक में आगमों का सार, धर्म का स्वरुप, मंत्रो का चिंतन, चित्रों की व्यवस्था, आत्मा का प्रयोग, दिव्यता की झलक, मधुरता का आभास, स्वाद की बूंदे, प्रकाश की किरणे, सुंगध की चमेलीयाँ, आनंद की लहेरे, अनोखा पन का अनुभव, व्यवस्था की दिव्यता, अपने पन की अनुपम छटा, आत्मियता का दीव्य प्रकाश, अलौकिकता का आनंद, हजारों और भी चीजे जोड के आपको देने का प्रयास हमने किया है आगे जब तक दूसरी पत्रिका बनाते है तब तक के लिए आपसे विराम लेते है लेकिन वह विराम नहीं है अगली पत्रिका कि तैयारी है एवं हम समजते है कि आप हमारे साथ जुडे है यह भी प्रभु कृपा है। और जो प्रभु से, गुरु से जुड जाता है उसको तो फिर संसार से सब कुछ प्राप्त करने का समय आ ही जाता है। और इसी प्राप्ति के साथ साथ मुक्ति पथ का सोपान भी प्राप्त हो जाता हैं।

सुगंधित पत्रिका : हरदम प्रवचन में, मैं कहता आया हूं की भावना रहित की गई क्रिया सुगंधहीन पुष्प के समान हैं अगर आपने कुछ भक्ति की है और उस क्रिया में भाव नहीं है तो वह बिना सुगंध के पुष्प जो मात्र श्रृंगार का एक विषय बन जाता है। एक दिव्य पुष्प आपके हाथ में है सात किलो वजन का, तो हमने सोचा इस पुष्प में भी सुगंध होनी चाहिए। अगर यह पुष्प सुगंध रहित हो तो कैसे चल सकता है तो हमनें भी इस पुष्प में सुगंध जोडी है, इस पत्रिका में एक दिव्य रसायन वैसा जोडा गया है **जैसे पृष्ट नं.२, ३, ७, २५ और १०७ को आप स्पर्श करें तो विशिष्ट पुष्प एवं चंदन आदि उत्तम द्रव्यों की सुंगध को आप प्राप्त कर सकेंगे।** जब कृष्णगिरि में २००४ में प्रथम महोत्सव का आमंत्रण पत्रिका छपी थी तब मुझे याद है कि वह पत्रिका देढ किलो की थी फिर धीरे धीरे हम पिछले साल साडे पांच किलो की आमंत्रण पत्रिका प्रस्तुत करने में हम सफल हुए। लेकिन जब यह बच्चा बडा हो रहा है तो इसको पृष्ट होने से कौन रोक शकता है अब एक साल में यह बच्चे का वजन और देढ किलो बढ गया है याने अब यह बच्चा सात किलो का आपके गोद में खेलने आया हैं। आपसे मेरा निवेदन हैं कि आप इस बच्चे का सार-संभाल ढंग से करे, क्योंकि यह आपके भरोसे हैं। इस प्रकार से आप इस बच्चे को स्वयं का बच्चा समज के अपने घर में रखे... जब भी यह रोता है... जब भी यह पुकारता है... तो थोडा सा इससे प्यार करले तो इस बच्चे का आपके घर आना सार्थक हो जायेगा। अंत में आप से इतना ही कहकर विराम लेना चाहेंगे की कोशीश करें जल्दी से जल्दी आपके हृदय में प्रभु समा जाये...

कोशीश करें... कोशीश करें की बहुत जल्दी प्रभु आप के हो जाये... क्योंकि आप अगर मंदिर को, विषयों को, संसार को, प्रतिमाओं को ज्यादा पसंद करते हैं तो अगले सोपान के रूप में मैं बहुत ही मजबुती से कह सकता हूँ कि हमारे जिनेश्वर को, हमारे प्रभु को, हमारे अरिहंत को मंदिर से भी ज्यादा मनुष्य का हृदय प्यारा लगता है। क्योंकि ऐसा विषमकाल आ गया है कि मंदिर में ट्रस्टीयों का चलता है और हृदय में प्रभु का चलता है... इसीलिये प्रभु हृदय में निवास करना चाहते हैं। आप प्रभु को हृदय में निवास करावें... हमारा उत्सव प्रभु को आपके अंदर लाने के लिये एक प्यारा सहयोगी होगा, इसी विश्वास के साथ...

- पार्श्वचरण रज **डॉ. वसंतविजय** का धर्मलाभ

शुभकामना संदेश...

अर्चना दत्ता (मुखोपाध्याय)
राष्ट्रपति के विशेष कार्याधिकारी (जन सम्पर्क)
Archana Datta (Mukhopadhyay)
OSD (PR) to the President

राष्ट्रपति सचिवालय,
राष्ट्रपति भवन,
नई दिल्ली - 110004
President's Secretariat,
Rashtrapati Bhavan,
New Delhi - 110004

संदेश

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील को यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि श्री कृष्णगिरी पार्श्व पद्मावती सेवा मंडल ट्रस्ट (मुंबई) पंजी. द्वारा 1 अक्तूबर, 2011 से 6 अक्तूबर, 2011 तक विशाल मानव कल्याण महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मानव कल्याण के लिए अनेक अनूठे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे तथा इस अवसर पर एक स्मारिका का प्रकाशन भी किया जा रहा है।

राष्ट्रपति जी इस स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करती हैं।

विशेष कार्य अधिकारी (जन सम्पर्क)

Tel : 011-23016535(Direct), 23015321 Extn 4322, Fax 23794466, E-mail: ondaos@rb.nic.in

K. Sankaranarayanan
GOVERNOR OF MAHARASHTRA

Raj Bhavan
Mumbai 400 035
Tel : 022-23632060
Fax : 022-23660505

13 September 2011

MESSAGE

I am pleased to know that the Shree Krishnagiri Parshwa Padmavathi Sevamandal Trust (Mumbai) is organising an educational event between 1st October and 6th October 2011 to guide the youth on personality development, career advancement and employment opportunities. I am further pleased to know that the Trust will be providing necessary assistance to needy persons and women.

I congratulate the Sevamandal Trust for its initiative and convey my best wishes for the success of the 6- day event.

13-9-01

(K. Sankaranarayanan)

मुख्य मंत्री
महाराष्ट्र

८ ऑक्टोबर, २०११

शुभेच्छा

श्री कृष्णगिरी पार्श्व पद्मावती सेवा मंडळ ट्रस्ट, मुंबईतर्फे सन्या १ ऑक्टोबर ते ६ ऑक्टोबर या कालात क्रीडा संकुल, घाटकोपर येथे भव्य सामाजिक महोत्सवाचे आयोजन करण्यात आल्याचे समजून आनंद वाटला.

हा ट्रस्ट धार्मिक आणि सामाजिक क्षेत्रात कार्य करीत आहे. ट्रस्टतर्फे सामाजिक बांधिलकीच्या भावनेतून सेवाकार्य करण्यात येत असते ही समाधानाची बाब आहे. या महोत्सवात गरीबांना मोफत कापड तसेच गरजू महिलांना शिलाई मशीन व कॉम्प्यूटर यांचे वाटप करण्यात येणार आहे. त्याचप्रमाणे विद्यार्थी व युवक यांच्यासाठी विशेष कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात येणार आहे. ट्रस्टचे हे कार्य कौतुकास्पद आहे.

सामाजिक महोत्सवास माझ्या हार्दिक शुभेच्छा.

(पृथ्वीराज चव्हाण)

श्री. दीपचंद जी. सालेचा,
व्यवस्थापकीय विश्वस्त, श्री कृष्णगिरी पार्श्व पद्मावती सेवा मंडळ ट्रस्ट,
सी-७, संघ अपार्टमेंट,
१६ वा क्रॉस रोड, खार पाली रोड,
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई ४०० ०५०.

SHEILA DIKSHIT
CHIEF MINISTER

GOVT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
DELHI SECRETARIAT, I.P. ESTATE
NEW DELHI-110002
PHONE : 23392000, 23392020

D.O.No. 1(1)/2011/3972
Date 13/09/2011

MESSAGE

I am glad to learn that **Shree Krishnagiri Parshwa Padmavathi Sevamandal Trust** is organizing a Seminar on "***Society and Youth Development***" from 1st October to 6th October, 2011 at Mumbai.

I have been given to understand that the Seminar will cover a host of topics. Further, it will provide an opportunity to the experts in various fields to present their views. Apart from this, the deliberations in the Seminar will also facilitate overall development of the participants.

My best wishes for the success of the Seminar.

(SHEILA DIKSHIT)

N. RANGASAMY
CHIEF MINISTER
GOVERNMENT OF PUDUCHERRY

PONDICHERRY
Date 12.9.2011

MESSAGE

I am happy to know that Shree Krishnagiri Parashwa Padamavathi Sevamandal Trust, Mumbai, is conducting a Seminar on Society and Youth Development. It is really a pride to note that the programme will highlight the educational career guidance and youth empowerment and that a magazine is being brought focusing the same. No doubt, this specialized programme for youth will bring out the hidden potential and ability of the youth in achieving their extraordinary success and endeavour. At the same time, it will be a transformational event dedicated to the society and youth empowerment. The personality development will be a guiding force obtained from education, competitive examination etc., which would make the youth all the more to conquer challenges and thereby become better citizens of tomorrow.

It is also commendable to note that more than 25000 students will be participating in this endeavour which also bring about their innate talents like drawing, writing easay, speeches and dance competitions.

I take this opportunity to compliment the Trust for their noble endeavour and to scale further more heights in their mission.

(N. RANGASAMY)

To
D. Bharath Jain (Convener),
Marlecha Niwas,
No.55, Hussain Shaib Street,
C-Palakkaram, Chennai-43.

© Off : 2335495, 2335530, 2335528, 2335527 Res : 0413-2333159 Fax : 2271233

best wishes...

2010
मुंबई में यशस्वी चातुर्मास की झलक...

भीवंडी
दि.८.८.२०१०
दिव्य प्रवचन
एवं
महामांगलिक

बोरीवली
दि.१४.८.२०१०
श्री उवसग्गहरं
पार्श्वनाथ महापूजन एवं
पांच चैत्यवंदन सहित
श्री शत्रुंजय महातीर्थ भावयात्रा
और महामांगलिक

भायंदर
दि.२२.८.२०१०
श्री जिनशासन
अधिष्ठायिका
श्री पद्मावती देवी का
चमत्कारिक शुक्रवार
व्रत कथा एवं माताजी
की महिमा पर प्रवचन

मुलुंड
'मंदिर और पूजाविधि के रहस्य'
पर विशिष्ट
प्रवचन

सांताक्रुज
धार्मिक प्रवचन

विले पार्ला
दि.२७.८.२०१०
'पार्श्व-पद्मावती
चमत्कारिक महापूजन'

विलेपार्ला - भाईदास सभागृह

श्री महावीरस्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव

माटुंगा

दि.२८ अगस्त २०१० शत्रुंजय भावयात्रा

मरीन लाईन्स

''बिरला मातुश्री'' - महाप्रभाविक सर्वबीज मंत्रयुक्त सिद्धिदायक चमत्कारिक साधनामय महामांगलिक

सायन - षण्मुखानंद सभागृह

श्री भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव एवं
जैन रत्न सन्मान समारंभ

पवित्र नवरात्री महोत्सव का पुनित पावन प्रथम दिवस

उमंग और उल्लास की घडीयाँ...

राष्ट्रसंत स्वयम् निश्रा दाता हो वहाँ राष्ट्रभक्ति का कहना ही क्या ! महोत्सव का प्रारंभ राष्ट्रध्वज के आरोहण के साथ कराके इस महोत्सव को डॉ. वसंतविजयजी म.सा.ने राष्ट्रउत्सव बना दिया...! उल्लेखनीय है की हरदिन के कार्यक्रम के पूर्ती पर भी राष्ट्रगान के बाद ही कार्यक्रम समाप्त होता था । अनेकों विद्यार्थीओ, बालको ने उत्साह और उल्लास के साथ भाग लिया और उन सब बच्चों के लिये विशेष भोजन प्रसादी का आयोजन भी किया गया...!

वातानुकूलित मन्डप में दिव्य माणीभद्र महापूजन १०८ जोडों ने किया एवं यक्षेन्द्र तपागच्छाधिष्ठायक माणीभद्रदेव का जीवन वृतान्त, पूज्यश्री के मुखारविन्द से सुनकर सभी झुम उठे ।

शाम की भक्तिमें आशा वैष्णव एवं महेन्द्र सिंह ने भक्ति रस का मधुर स्वाद कराया...!

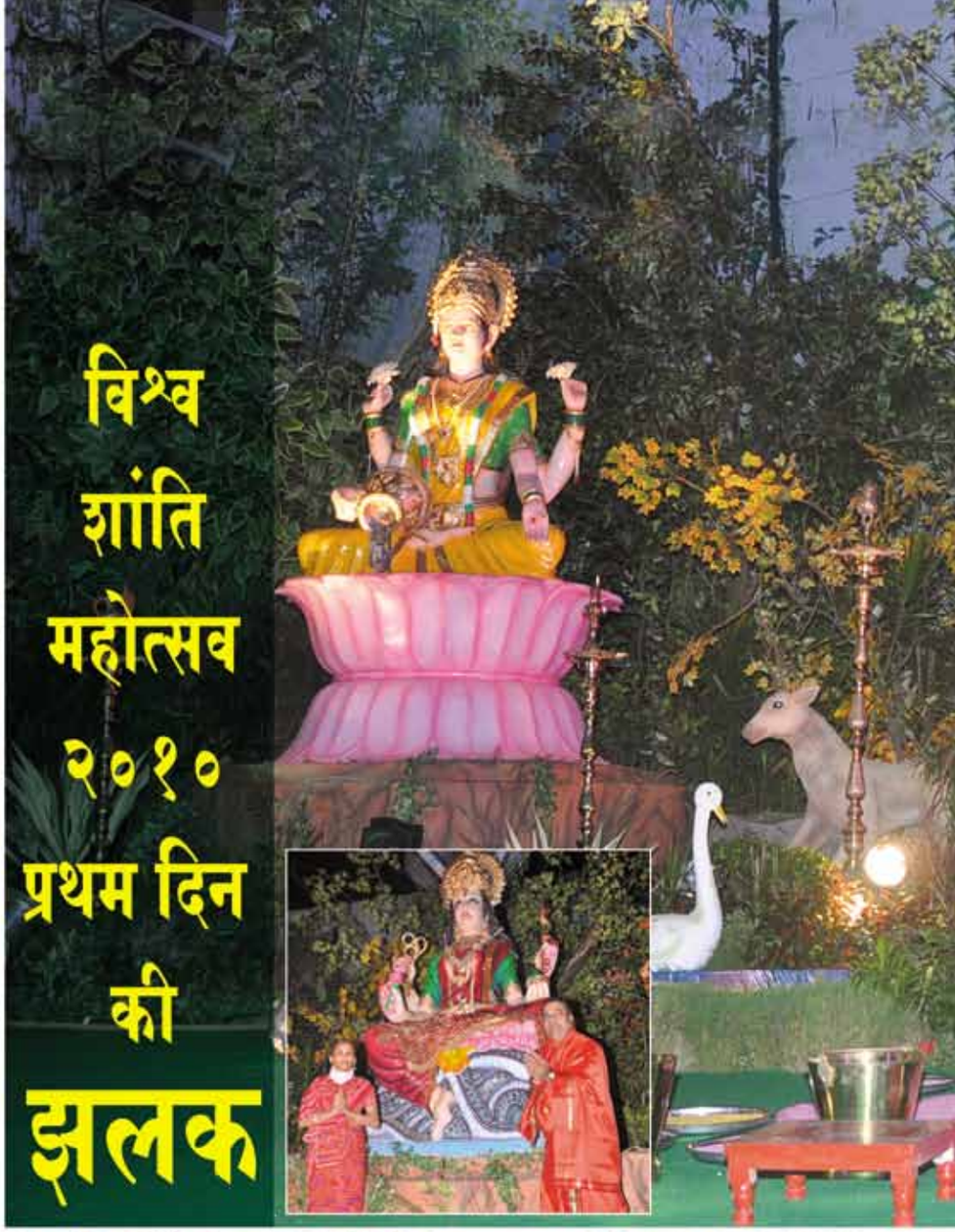

विश्व शांति महोत्सव २०१० द्वितीय दिन की झलक

धन्य दिवस...

धन्य भक्ति...

धन्य दिवस... धन्य भक्ति...

श्री चिंतामणी पार्श्वनाथ पूजन में शायद पहली ही बार भक्तों ने हरा वस्त्र एवं हरी चून्दडी पहनकर बैठे हुअे पूजार्थी १०८ जोडें को देखा होगा...

मरकतमणी सम सुन्दर हरित वर्णिय थे **श्री पार्श्वनाथ स्वामी...!** उन्ही की कृपा प्राप्त करने हरे भरे वातावरण में बैठे सब पूजार्थी ! आसन, मुखकोस सब हरा... इतना ही नही... साडे चार घंटे चले इस दिव्य पूजन का ऐसा प्रभाव पडा की मेघराज बरस पडे और वातावरण भी हराभरा हो गया । अनेकों व्यंजनों के साथ नवकारशी के बाद जो संध्या भक्ति हुई ये उस हरियाली पर ओस के मोती की तरह चमका गई समस्त सभा को !

धन्य दिवस...
धन्य भक्ति...

विश्व शांति महोत्सव २०१०

तृतीय दिन की झलक

आराधना ज्ञान एवं दर्शन की

दशवैकालिक सूत्र में लिखा है...

'पढमं ज्ञानं तओ दया'

पहले ज्ञान फिर दया... सही ही तो है... अज्ञानी का धर्म भी अधर्म बन सकता है... इसलिए निर्मल ज्ञान की अधिष्ठायिका ज्ञान प्रदायिनी सरस्वती माता का दिव्य महापूजन श्वेत वस्त्रों में सबने की ।

उल्लेखनीय है की छह दिन की सभी पूजायें बिलकुल निशुल्क थी...! यंत्र, साडी, पूजावस्त्र, पूजा सामग्री सब कुछ बिलकुल निशुल्क दिये गये थे । यही इस महोत्सव की सबसे बडी विशेषता रही । लोगो की भीड तो पन्डाल से रोड तक थी जो एन.अेस. सी. ग्राउंड के इतिहास में पहली बार था ।

विश्व शांति महोत्सव की
सुंदर निमंत्रण पत्रिका महाराष्ट्र के
मुख्य प्रधान श्री अशोकजी चौहाण
को प्रदान करते हुए ।

विश्व शांति महोत्सव की
सुंदर निमंत्रण पत्रिका महाराष्ट्र के
उप.मुख्यप्रधान श्री छगनजी भुजबल
को प्रदान करते हुए ।

विश्व शांति महोत्सव की
सुंदर निमंत्रण पत्रिका
महाराष्ट्र के गृहमंत्री
श्री आर.आर.पाटीलजी
को प्रदान करते हुए ।

विश्व शांति महोत्सव की
सुंदर निमंत्रण पत्रिका
शिवसेना के कार्यकारी
अध्यक्ष श्री उद्धवजी ठाकरे
को प्रदान करते हुए ।

विश्व शांति महोत्सव की
सुंदर निमंत्रण पत्रिका
विधायक
श्री गोपालजी शेट्टी
को प्रदान करते हुए ।

उत्सव

विश्व शांति महोत्सव २०१० चतुर्थ दिन की

सर्व दुःख हरे देवी महालक्ष्मी नमोस्तुते...!

शासन के सभी धर्म कार्यो में श्रावको को आर्थिक सहाय करनेवाली, सूरीमंत्र की तिसरी पीठ में आराध्य भगवती

श्री महालक्ष्मी का दिव्य महापूजन...

सभी पीले वस्त्र में... महालक्ष्मी पूजन हो और महालक्ष्मी की कृपा समाज पर नही हो यह कैसे हो सकता है। पूजन के बाद मुंबई के अनेकों विद्यालयों के लिये लाखों रुपयों की सहायता राशी पूज्य वसंतविजयजी म.सा. की प्रेरणा से दी गई।

छह दिन दोनों समय की अद्भूत नवकारशी की व्यवस्था देखकर हर मुंबईवासी कह उठा... 'वास्तव में जिनशासन की भक्ति देव बनकर दैवी वैभव के साथ ही इसी तरह होनी चाहिए।'

विश्व शांति महोत्सव २०१० पंचम दिन की झलक

हे माँ !
नाम है तेरा मंगलकारी...!

जिनका एक नाम को रटते ही व्यक्ति सबकुछ प्राप्त कर लेता है उन्हीं भगवती का १००८ नाम का पूजन जैन धर्म के इतिहास में पहली बार पूज्यश्री ने करवाया...! अद्‌भूत नाम मन्त्रों से समस्त वातावरण दिव्य बन उठा । सहस्त्र नाम पूजा के बाद झडी लगी सभी अतिथीयों की...

सिर्फ इस छह दिन के उत्सव में हजार से अधिक राजनेता एवं अन्य प्रसिद्ध क्षेत्र के लोगो ने गुरुदेव के दर्शन किये ।

जहाँ
माँ पद्मावती बैठी
हो और उनकी पूजा में
वसंतविजयजी म.सा. भी हो...!
फिर कहना ही क्या !
सिर्फ ये चित्र सभी
बातें समझा देंगे । क्योकि
शब्द कभी कभी विषय को
समजाने में छोटे पड जाते है ।

विश्व शांति महोत्सव २०१० षष्ठम दिन की झलक

विश्व शांतीदूत को मिला राष्ट्रसंत का सम्मान...!

अंतर्राष्ट्रीय संसद में भारत के शांतीदूत के रूप में कार्य सेवा रत

प.पू. यतिवर्य श्री वसंतविजयजी म.सा. के सर्व धर्म समन्वयता एवं समाज सेवा कार्यों के लिये भारत जैन महामन्डल, ऑल इंडिया श्वे. जैन कान्फ्रेंस एवं मुंबई जैन पत्रकार संघ ने पू. गुरुदेव को राष्ट्रसंत की उपाधि से अलंकृत किया।

उस समय तो करतल ध्वनी हुई
शायद वो कोई भूकम्प की आवाज से
कम नहीं थी...!

धन्य वसंतविजयजी म.सा....!

धन्य उसकी राष्ट्रभक्ति...!!!

श्री पार्श्व पद्मावती महापूजन

पूजा हो तो ऐसी हो...!

मुंबई नगर के इतिहास में पहली बार

१००८ जोडों का पार्श्व पद्मावती महापूजन की

दिव्य झलक...

विशेषता यह है की १००८ जोडों के पूजन में

१३०० जोडों को बैठाना पडा...

उमड पडा मुंबई...

अविस्मरणीय थे

वे क्षण...!

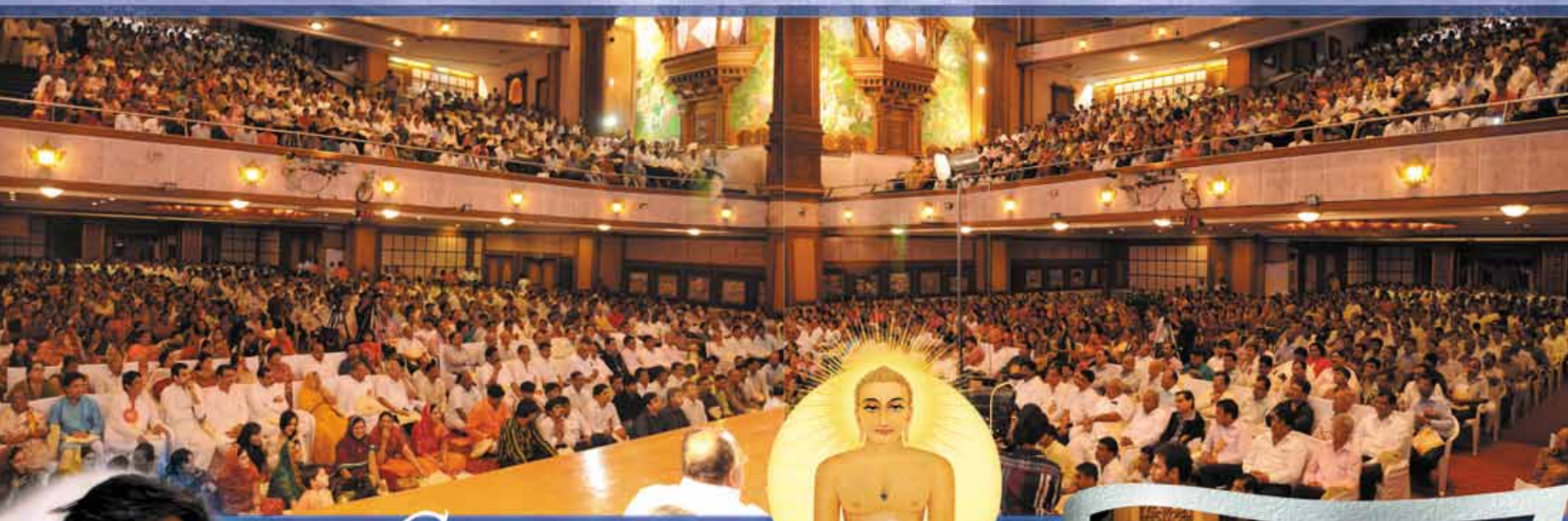

तस्मै श्री गुरुवे नमः

Guru Poornima MANGALOSTAV

FRIDAY 15th JULY 2011

गुरु पूर्णिमा का पावन दिवस

जैन इतिहास में प्रथम बार प्राचिन 'गुरुकृपा प्राप्ती यन्त्र' को प.पू.यतिवर्य श्री ने समस्त समाज के सामने प्रकट किया... जिसमें पादुका, यन्त्र, लेखन सामग्री हजारों लोगों को निशुल्क दिये गये।

तीन मंजीला योगी सभागृह के बाहर चौराहे तक लोगों की भी भीड रही एवं हजारों लोगों को अफसोस के साथ वापस जाना पडा।

सभी गच्छ पंथ के अपने अपने गुरुओं की पूजा करने की इस प्रकार की भेद रहित व्यवस्था जिनशासन के इतिहास में अनोखी थी।

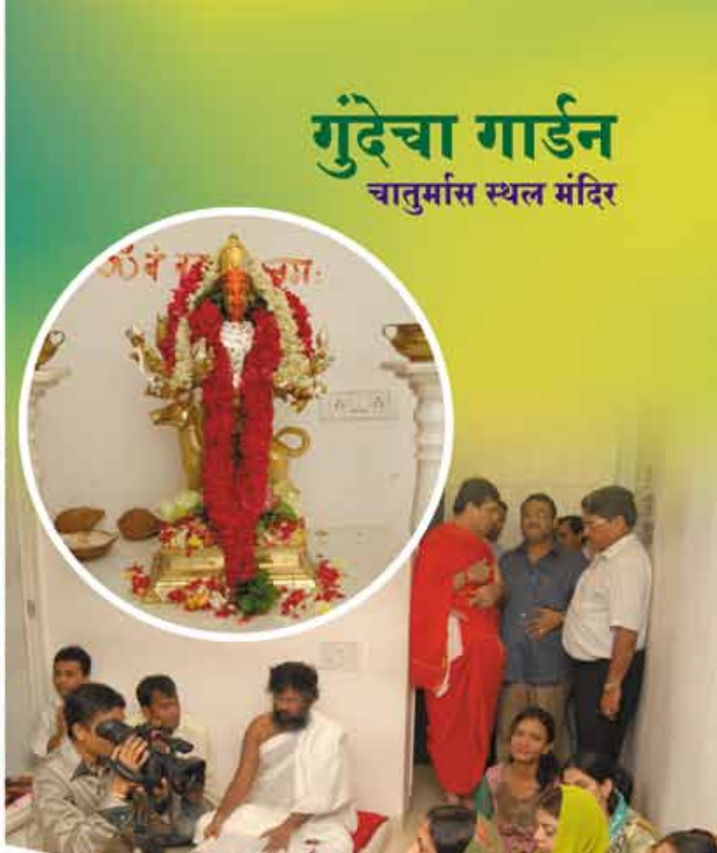

गुंदेचा गार्डन
चातुर्मास स्थल मंदिर

घर मंदिर कैसा हो ?

कुर्ला दि. 18.07.2011

श्री उवसग्गहरं महापूजन - १०८ जोडा
कमलकुंज, लालबाग
दि.२१.८.२०११
महामांगलिक
माधव बाग - दि.२२.८.२०११
गुरुजी अमारो
अंतरनाद

ऐतिहासिक पर्युषण आराधना की कुछ झलकियाँ

अद्भुत प्रवचन श्रृंखला...

विले पार्ला दि.२७.८.२०११

नाणावटी होस्पीटल ओडिटोरीयम दि.२८.८.२०११

बोरीवली दि.३१.८.२०११

1st October 2011
saturday
आसोज सुद ५

१२.३९ विजय मुहूर्त में

श्री उवसग्गहरम् पार्श्वनाथ महापूजन

१०८ जोडों सहित

Poojan for World Peace and Unity.

श्री उवसग्गहरम् पार्श्वनाथ महापूजन

लाभार्थी : पिताश्री रंगलालजी, मातुश्री नजरीबाई

सुपुत्र-पुत्रवधु : शांतीलाल-सुशीलादेवी, पारसमल-पुष्पादेवी,
विनोदकुमार-कैलाशदेवी, सुरेशकुमार-भाग्यवंतीदेवी, अशोककुमार-मधुदेवी
सुपोत्र-पौत्रवधु : राकेश-पिंकी, पौत्र : मनीष, मयंक, जैनम्,
पौत्री : सारा, विधि, मानवी एवम्
समस्त संघवी परिवार, कुर्ला-मुंबई, चारभुजा-मेवाड (राज.)

सुबह की नवकारशी

लाभार्थी : जयकांत अमृतलाल हिराणी

मीना जयकांत हिराणी
जीगनेश जयकांत हिराणी
ख्याती जीगनेश हिराणी
मलाड, मुंबई

शाम की नवकारशी

k. merchant const. pvt. ltd.
DEVELOPERS • ENGINEERS • VASTU CONSULTANT
Mumbai.

रात्रि ८.०० बजे संध्या भक्ति

लाभार्थी : हगामीबाई चम्पालालजी कोठारी

सांताक्रुझ (वेस्ट), मुंबई

फर्म : Rakesh Marble & Granite

१२.३९ विजय मुहूर्त में

श्री पार्श्व भैरव महापूजन

१००८ जोडों सहित

Poojan for Protection from Evil Powers that evil powers instigate attracts violence.

2nd October 2011
sunday
आसोज सुद ६

श्री पार्श्व भैरव महापूजन

लाभार्थी : घाणेराव निवासी स्व. श्री देवराजजी एम. गुन्देचा

स्व. श्रीमती मेथीबाई डी. गुन्देचा, स्व. श्रीमती ममताबेन पी. गुन्देचा
शा. पारसजी देवराजजी गुन्देचा, श्री दिपकजी पी. गुन्देचा, श्रीमती पूनम जतीनजी गुप्ता
फर्म : **गुन्देचा बिल्डर्स एण्ड डेवलोपर्स, मुंबई**

सुबह की नवकारशी

लाभार्थी : स्व. श्री रतनचंदजी मरलेचा की स्मृति में

प्रेरणा मातुश्री मसियादेवी मरलेचा के द्वारा
पुत्र-पुत्रवधु : रमेश-श्रीमती कंचनदेवी
प्रवीण-श्रीमती पंकिता, श्रीपाल-श्रीमती पूनम
कुमारी सुशिला, श्रीमती संगीता-प्रदीपजी परमार
श्री शा. प्रकाशजी, धनराजजी, हसमुखजी, विकासजी,
विपुलजी, विशालजी, अक्षतजी, मोक्षजी
बेटा पोता रतनचंदजी चुन्नीलालजी मरलेचा
फर्म : **प्रमोशन ग्रुप ऑफ कम्पनी, मुंबई**
श्रीपाल एन्टरप्राइजेस, थाणे, श्रीपाल ट्रेडर्स, राणी स्टे.

शाम की नवकारशी

लाभार्थी : घाणेराव निवासी

मातुश्री विमलाबाई मोतीलालजी लोढा परिवार

पुत्र-पुत्रवधु : राजेन्द्र-हीरामणी, विनोद-दिवाली, अनिल-सुमन
पौत्र-पौत्रवधु : निकेश-ममता, मितेश-सोनु,
पौत्र-पौत्री : शनि, अक्षय, दक्षय, संदीप, मानव, जस
बहन-बहनोई : पवनबाई सुरेशनाथजी मोदी,
कान्ता सुरेशजी पारेख, अरुणा विनोदजी बाफना,
हंसा हसमुखजी बोकडिया
फर्म : **हीरामोती ईम्पेक्स**, कालबादेवी
मणीराज क्रियेशन, मुंबई ❊ **मुजरोसा**, सांताक्रुझ

रात्रि ८.०० बजे संध्या भक्ति

लाभार्थी : घाणेराव निवासी

श्री मदनराजजी हमीरमलजी सांड़

संजयजी मदनराजजी सांड़, मुंबई.
फर्म :

Dongreen Resins & Chemicals Pvt. Ltd., Mumbai
509, Western Edge 1, Near Sai Services,
Opp. Magathane Bus Depot,
Western Express Highway,
Borivali (E), Mumbai-400 066.

१२.३९ विजय मुहूर्त में

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ महापूजन

१०८ जोडों सहित

Poojan for promoting the Principles of Non Violence, universal love and brotherhood

3rd October 2011 monday

आसोज सुद ७

श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ महापूजन

लाभार्थी : वडाली निवासी (हाल वालकेश्वर-मुंबई)

मातुश्री लीलाबेन पोपटलाल कोदरलाल शाह परिवार

सुपुत्र : विजयभाई, श्रेयांसभाई, शालीभद्रभाई,
पुत्रवधु : रेखाबेन, रश्मिबेन, बेलाबेन,
पुत्री : स्व. किरणबेन नरेन्द्रकुमार, संयुक्ताबेन विजयकुमार,
पौत्र : शीतल, विशाल, नीरव, कौशल, समकीत, सौलीक, सीमुल, मेघल,
पौत्रवधु : प्रीती, श्वेता, साक्षी, परीता, रीचा, पौत्री : येशा विजयकुमार शाह
प्रपौत्र : यश, जश, आर्य, ध्येय, प्रपौत्री : खुशी
फर्म : **विजय एसिड सप्लाई एन्ड कम्पनी,** गुजरात (वडाली)

सुबह की नवकारशी

लाभार्थी : पू. पिताश्री नेमीचंदजी छाजेड की स्मृति में

मातुश्री धाईदेवी, पुत्र-पुत्रवधु : बाबुलाल-शांतीदेवी, सम्पतराज-सुशीलादेवी,
पुखराज-सुशीलादेवी, मदनलाल-मीनादेवी, राकेशकुमार-अनीतादेवी, भरत छाजेड
फर्म : **जीवनमल नेमीचन्द एन्ड कम्पनी,** मुंबई

शाम की नवकारशी

लाभार्थी : गुरु गुणानुरागी परिवार, मुंबई

रात्रि ८.०० बजे **संध्या भक्ति**

लाभार्थी : श्री रंगलालजी चन्द्रादेवी डागलिया

पुत्र-पुत्रवधु : महेशकुमार-एकता, राकेशकुमार-सुमीत्रा,
प्रपौत्र-पौत्री : रितिका, दिव्येश, मेघा, ईसा, देव एवं डागलिया परिवार
फर्म : **महेशकुमार जैन एण्ड कम्पनी (C.A.)** कालबादेवी, मुंबई
डागलिया ब्रधर्स, लालबाजार, नाथद्वारा (राज.)

4th October 2011 tuesday

आसोज सुद ८

१२.३९ विजय मुहूर्त में

श्री महालक्ष्मी-पद्मावती महापूजन

१०८ जोडों सहित

Poojan for World Prosperity to eradicate extreme proverty and hunger.

श्री महालक्ष्मी-पद्मावती महापूजन

लाभार्थी : दादीशा स्व. पातीबाई सरेमलजी सालेचा

पिताश्री : घमंडीरामजी, : मातुश्री भवरीदेवी,
सुपुत्र : देवीचंद, पुत्रवधु : कमलादेवी
सुपौत्र : आनंदकुमार, मनीषकुमार, पौत्रवधु : सुनिता, कुसुम,
प्रपौत्र : श्रेयांस, प्रणव, पर्व, प्रपौत्री : ध्वनी
एवम् समस्त सालेचा परिवार, खार, मुंबई (मरुधर में पचपदरा)

सुबह की नवकारशी

लाभार्थी : स्व. धींगडमलजी औस्तवाल की स्मृति में

मातुश्री शांतीदेवी औस्तवाल की प्रेरणा से सुपुत्र : देवराजजी, खीमराजजी,
गौतमचंदजी, संपतराजजी पुत्रवधु : सरजुदेवी, पुष्पादेवी, प्रमीलादेवी, पूनमदेवी
पौत्र : रविन्द्रकुमार, कमलेशकुमार, राहुल, साहिल, पौत्रवधु : संगीता, विजया,
रेखा एवम् समस्त औस्तवाल परिवार, मरुधर में बालोतरा, अंधेरी, मुंबई
फर्म : **ऋषभ मार्बल,** विलेपार्ला, मुंबई

शाम की नवकारशी

लाभार्थी : गुरुभक्त यंग ग्रुप

निकेश, मितेश लोढ़ा
ललित, अमित, अभिषेक बोहरा
मयंक सिंघवी

रात्रि ८.०० बजे **संध्या भक्ति**

लाभार्थी : परम गुरुभक्त परिवार, मुंबई

5th October 2011 wednesday

आसोज सुद ९

१२.३९ विजय मुहूर्त में

श्री सरस्वती-पद्मावती महापूजन

१०८ जोडों सहित

Poojan for Spiritual Knowledge with a prayer to achieve universal primary education

श्री सरस्वती-पद्मावती महापूजन, सुबह की नवकारशी, शाम की नवकारशी, संध्या भक्ति

संपूर्ण दिन के लाभार्थी परिवार

परम पूज्य यतिवर्य डॉ. वसंतविजयजी महाराज साहेब के आशीर्वाद से

श्रीमती रुकमणीबाई भँवरलालजी बोहरा

पुत्र-पुत्रवधु : रोशन-सुशीला, नरेन्द्र-रेणु, अशोक-विमला, महावीर-मीना, विनोद

पौत्र-पौत्रवधु : ललित-रेखा, अमित-मानसी, रोहित-स्नेहा, अभिषेक

पौत्री : सोनल, नीलम, मोनीका, हीनल

एवम् समस्त बोहरा परिवार

निवासी मोलेला (राज.)

सांताक्रुझ, मुंबई

फर्म :

मयुर शेयर ब्रोकींग प्रा.लि., सांताक्रुझ मुंबई

महावीर ज्वेलर्स, सांताक्रुझ, मुंबई

मेघराज मार्बल, विलेपार्ला, मुंबई

मूनलाईट मार्बल, राजसमंद (राज.)

6th October 2011 thursday

आसोज सुद १०

१२.३९ विजय मुहूर्त में

श्री पार्श्व-पद्मावती महापूजन

१००८ जोडों सहित

Poojan for generating powerful spiritual Energy to make a Peaceful World and to promote gender equality & empowerment of Women.

श्री पार्श्व-पद्मावती महापूजन, सुबह की नवकारशी शाम की नवकारशी, संध्या भक्ति

संपूर्ण दिन के लाभार्थी परिवार

Manikchand®

स्वर्गीय मातोश्री

मदनबाई माणिकचंदजी धारीवाल की स्मृति में

श्रीमान रसिकलालजी माणिकचंदजी धारीवाल

धर्मपत्नी सौ. कमलाजी तथा सौ. शोभाजी

सुपुत्र-सुपुत्रवधु : श्री प्रकाशजी-सौ. दिनाजी

सुपुत्री : कु. जान्हवी

सुपौत्र : आदित्य, सुपौत्री : कु. साक्षी

धारीवाल परिवार (पुणे) घोडनदी

पद्मावती देवी प्रतिमा के लाभार्थी :
डॉ. ताराचंद जैन, डॉ. दिनेश जैन
(अंबावत) देसुरी (राजस्थान) हाल दादर, मुंबई

सम्मान के लाभार्थी :
मोमेन्टो-साल-माला
श्री जयवर्धिनी लेन्ड डेवलोपर्स, राजकोट

स्टेज डेकोरेशन के लाभार्थी :
श्री नरेशभाई नवनीतलाल शाह
वालकेश्वर, मुंबई

● सामुहिक लाभार्थी ●

- श्री कमलकुंज श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ, लालबाग-मुंबई
- श्री कमलकुंज श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ, लालबाग-मुंबई
- श्रीमती कलादेवी सुरेशचन्दजी माण्डोत, अेन्टोप हील-वडाला
- श्रीमती मालतीबेन रतनलालजी बोथरा, मुलुंड
- श्रीमती वर्षा प्रवीण भट्ट, जुहु
- श्रीमती पारुल किरिट महेता, विलेपार्ला
- शा. नजरीबाई जीतमलजी बाघरेचा, जे.बी. नगर-अंधेरी
- श्री नीरज नविन शाह - मुंबई
- श्रीमती मंजु प्रविण पांडे - मुंबई
- श्री सुमेरमलजी दलीचन्दजी संघवी, गुंदेचा गार्डन-लालबाग
- श्री अशोकजी प्रेमचन्दजी कोठारी, बोरीवली
- श्री मांगीलालजी नाथुलालजी, वडाला-सांताक्रुझ
- श्रीमती रमाबेन मनहरलाल महेता, सायन
- श्रीमान विनयभाई मेघजीभाई शाह, मुलुंड
- श्री दीपकभाई मोरारजी गाला, अंधेरी
- श्रीमती जयाबेन प्रेमचंद दोढीया, माटुंगा
- श्री जितेन्द्र शांतीलाल कोठारी, जुहु
- श्री दिलीपजी हुक्मीचन्दजी सोलंकी, कमलकुंज-लालबाग
- श्री केतन रमणिकलाल गोसलिया, राजकोट
- श्री मुकेशभाई सेवन्तीलाल शाह (खरोडवाला)
- श्रीमती दमयन्ती विनित नागडा, विलेपार्ले
- श्री मनोज नानकचन्दजी वर्मा, बोरीवली
- शा बाबुलालजी नेमीचन्दजी बोहरा, फोर्ट-मुंबई
- संघवी श्री गणपतराज चोपडा, पचपदरा
- स्व.श्री अमृतराजजी बच्छराजजी कंकुचौपडा, बालोतरा
- अ.सौ. प्रभादेवी मीठालालजी विनाकीया परिवार, अन्धेरी
- श्रीमती खम्मादेवी मिश्रीमलजी जिरावला परिवार
- शा प्रकाशजी कानूंगो, सांचोर
- मनोहरजी कानूंगो, सांचोर
- शा हेमन्तभाई महीपतराय शाह, आकृति सिटी, मुंबई
- शा सायरचन्दजी शान्तीलालजी-सज्जनराजजी कवाड़, पाली
- शा किशोरजी एम. खाबिया, मुंबई
- श्री जवेरचन्दजी दलीचन्दजी गुगलिया, धनजी स्ट्रीट
- स्व. श्रीमती रतनबेन केशरीमलजी फागणीया (देसूरी)
- प्रकाशजी कच्छारा, घाटकोपर
- शान्तीलालजी भंवरलालजी नांदेचा, मरीनलाईन-मुंबई
- स्व. बाबुलालजी अचलचंदजी कोठारी, कमलकुंज-लालबाग
- शा डॉ.नेमीचंदजी भिकचंदजी छाजेड, खार
- स्व.श्री मिश्रीमलजी नगराजजी कटारीया संघवी, सांचोर
- नेनमलजी विनयचन्दजी सुराणा परिवार, सिरोही
- श्री घीसुलालजी चोपडा, मोहिनीदेवी चोपडा, विलेपार्ला, गोरेगांव
- श्रीमती पानीबेन पृथ्वीराजजी परमार, खुडाला
- परमगुरुभक्त परिवार, विलेपार्ला
- मातुश्री स्व.सुमतिबाई अमीचन्दजी सेमलानी, खुडाला
- कान्तादेवी पारसमलजी सालेचा, बालोतरा, गुंदेचा गार्डन-लालबाग
- श्री गुणवन्तभाई नगीनदास शाह, अंधेरी, मुंबई
- मेहता प्रेमचन्दजी खेमाजी, मुंबई

महोत्सव हेतु संपर्कसूत्र

वालकेश्वर	विजय शाह	9821139917
कालबादेवी	राजेन्द्र लोढा	9819771140
सी.पी. टेन्क	कान्तिलाल मेहता	9821354870
भायखला-चेम्बुर	कैलाश जैन	9821047303
लालबाग	रोशनलाल बोहरा	9820082259
कुर्ला-घाटकोपर	सुरेश संघवी	9820148612
सायन	राजेश मेहता	9320097797
मुलुंड	निरज शाह	9820449911
वाशी-नवी मुंबई	विकास बाफना	9892509426
बांद्रा	मोहनराज जैन	9820061245
सांताक्रुझ	जगदीश राठोड	9869667754
अंधेरी	पुनित जैन	9867344106
विलेपार्ला-जुहू	नीता कांकरीया	9321755932
गोरेगांव	सतिष सुराणा	9820067121
बोरीवली	मुकेश शाह	9820089229
भायंदर	कृपाल जैन	9321931069
भिवंडी-थाना	प्रविण जैन	9619240443

जिसने अविचल आत्मबल एवम् दृढ मनोबल द्वारा आत्मशक्ति को प्राप्त किया

ऐसे गुरु वसंतविजयजी को भावपूर्वक कोटि कोटि वंदना...

SHREE KRISHNAGIRI PARSHWA PADMAVATHI SEVAMANDAL TRUST

देवीचंद जी. सालेचा
मेनेजींग ट्रस्टी

डॉ. भरत सी. महेता
ट्रस्टी

राजेश एम. महेता
ट्रस्टी

मुकेश एस. शाह
ट्रस्टी

गौतम डी. ओस्तवाल
ट्रस्टी

मोतीलाल जी. तातेड
ट्रस्टी

अरविंद एम. जैन
ट्रस्टी

रतीलाल बी. रेड्ड
ट्रस्टी

राजेन्द्र एम. लोढा
ट्रस्टी

रोशनलाल बी. बोहरा
ट्रस्टी

सुरेश आर. संघवी
ट्रस्टी

महोत्सव की विविध समिति

प.पू.वसंतविजयजी म.सा. निजी सम्पर्क
श्री जतिन जैन - फणसा
श्री अमित बोहरा - सांताक्रुज
श्री समकित जैन - फणसा

विशिष्ट अतिथि स्वागत समिती
श्री सुरेश आर. संघवी - कुर्ला
श्री मदनजी साण्ड - गोरेगांव
श्री प्रवीणजी पान्डे - ओपेरा हाउस

महोत्सव कोषाध्यक्ष
श्रीमान रोशनलालजी बोहरा - सांताक्रुज

महोत्सव स्थल कोस व्यवस्था
श्रीमान जितेन्द्रकुमार हीराचन्द जैन - लालबाग

जनसम्पर्क समिति के अध्यक्ष
श्री राजेन्द्र लोढा - सांताक्रुज

जनसम्पर्क समिति के उपाध्यक्ष
श्री कनक परमार - कालबाढेवी
श्री रमेशभाई कोठारी - लालबाग
श्री अरुण ढलवी - लालबाग

महोत्सव कार्य अवलोकन समिति के अध्यक्ष
श्री राजेशभाई शाह - सायन

पावन महोत्सव के अध्यक्ष
श्रीमान देवीचन्द सालेचा - खार

पावन महोत्सव के उपाध्यक्ष
श्री माणेकभाई मेहता - वालकेश्वर

पावन महोत्सव के मंत्री
श्री गौतमचन्दजी ओस्तवाल - अंधेरी

पावन महोत्सव के उपमंत्री
श्री अरविन्दजी जैन - अंधेरी

महोत्सव आयोजन समिति
श्री शांतिलालजी भंवरलालजी जैन - मरीनलाइन्स (अध्यक्ष)
श्री विजयभाई शाह - वालकेश्वर (उपाध्यक्ष)
श्री अजीतभाई शाह - वालकेश्वर (मंत्री)

सर्व धर्म समन्वय समिति के अध्यक्ष
श्री निजामुद्दीन राईन (प्रवक्ता मुंबई कांग्रेस)

संत स्वागत समिती के अध्यक्ष
श्रीमान साईकृपा पात्र संत श्री महेन्द्रबाबाजी

महोत्सव के शुभ सलाहकार समिती
श्री आशिष शेल्लार (नगर सेवक)
श्री जितेन्द्र शान्तीलाल कोठारी
(अध्यक्ष, अंतराष्ट्रीय जैन जागृती संस्था)
श्री किशोरभाई शेठ (C.A.) - बोरीवली
श्री जिगनेश जयकांतभाई हिरानी - मलाड
श्री बिपिनभाई शाह - नन्दीगाम
श्री चन्द्रकांत वी. शाह - जूहू
श्री शैलेशभाई डी. शाह - जूहू

महिला अतिथि स्वागत समिती अध्यक्ष
श्रीमती पारुलबेन शाह - विलेपार्ले
श्रीमती वर्षा विक्रम भट्ट -जूहू

महोत्सव प्रचार समिती अध्यक्ष
श्री प्रशान्तभाई झवेरी - पायधुनी
श्री सलील लोढा (C.A.)
श्री प्रवीण धोका

महोत्सव पाठशाला अध्यापक, विद्यार्थी, तपस्वी प्रतियोगिता समिती के कार्यकर्ता
श्री शैलेषभाई - लालबाग
श्री अशोकभाई कोठारी - बोरीवली
श्री प्रवीण जैन - थाणे
श्री कान्ती मेहता - सी.पी. टेन्क

महोत्सव भोजन समिति के अध्यक्ष
श्रीमान श्री मुकेशभाई सोमचंद शाह (खरोडवाला)
श्रीमान जयेशभाई - सूरत

महोत्सव भोजन व्यवस्था समिती
श्री उज्जवल काकंरिया - जूहू (अध्यक्ष)
श्री मोहनजी तलेसरा - लालबाग (उपाध्यक्ष)
श्री प्रकाशजी पोरवाल - कमलकुंज (मंत्री)
श्री किशोरभाई राठोड (उपमंत्री)

महोत्सव के पूजन मंच व्यवस्था समिती अध्यक्ष
श्री चंद्रसेन गुरुजी

महोत्सव पूजन सामग्री व्यवस्था समिती के अध्यक्ष
श्री राकेश कोठारी - सांताक्रुज

सदस्य
श्री देनेश जैन - वापी
श्री कमलेश छाजेड - फणसा
श्री सन्दीप छाजेड - फणसा
श्री मनोज छाजेड - फणसा
श्री निखिल कुचेरिया - मालेगांव
श्री मनीश कोठारी - बोरीवली

महोत्सव विशिष्ट अतिथि सेवा समिती अध्यक्ष
श्री कैलाश जैन - अग्रीपाडा
श्री भरत कोठारी
श्री नरेश लोढा

महोत्सव महिला सेवा समिती
श्रीमती कोकिलाबेन झवेरी
श्रीमती नीताबेन काकंरिया
श्रीमती कलाबेन माडोंत
श्रीमती कनकबेन - बोरीवली
श्रीमती पूनमबेन - माटुंगा

महोत्सव सेवा चिकित्सा समिती के अध्यक्ष
डॉ. श्री नेमीचन्द जैन - खार

महोत्सव पन्डाल व्यवस्था समिती अध्यक्ष
श्री सतीश सुराणा - गोरेगांव

साजश्रृंगार एवं रोशनी, ध्वनी व्यवस्था समिति अध्यक्ष
श्री केतनभाई शाह - अन्धेरी

आवास निवास व्यवस्था समिती
श्री रोशनलालजी बोहरा - सांताक्रुज
श्री सुरेश आर. संघवी - कुर्ला
श्री दिलीप परमार - लालबाग

जल एवं पेय पदार्थ वितरण समिति
श्री जगेश वडाला - सांताक्रुज

सुरक्षा व्यवस्था समिति अध्यक्ष
श्री संतोष पान्डे - वरली
श्री हसमुख बाफना - लालबाग
श्री मनीष चौधरी

उपकरण विक्रय एवं पुछताछ कार्यालय विभाग
श्री पुनित तातेड - अंधेरी
श्री नीरज नवीन शाह - मुलुन्ड-मुंबई
श्री सुरेश माण्डोत - वडाला

संगीत संध्या व्यवस्था समिति अध्यक्ष
श्री कलापी नागडा - मुंबई

पूजन सामग्री एवं अन्य सामग्री भंडार व्यवस्था
श्री सुमित जैन - बनारस

किराणा भन्डार व्यवस्था समिती अध्यक्ष
श्री जयेश - सूरत
श्री संजय - फणसा

वीडीयो फोटो व्यवस्था समिति अध्यक्ष
श्री महेशभाई शाह - बोरीवली

स्वयम्सेवक समिति विभाग अध्यक्ष
श्री राकेश चोपडा - धारावी

Our Media Partner

Everyone will see it

Sole Advertising Rights for BEST buses in Mumbai

ISO 9001 : 2000 certified

BRIGHT
OUTDOOR MEDIA PVT. LTD.

brightoutdoor@gmail.com / www.brightoutdoor.com

67140000
1460 HOARDINGS

HOARDINGS & OOH ALL MEDIA PAN INDIA

Railway Publicity, News Paper, Magazine, P.R., Cinema Slides & Shorts, Sign Boards, BEST Bus Shelters, Gantry, Toll Naka Traffic Booth, Cantilever, Kiosks, Glow & Neon Sign, Mobile Van, Radio, T.V., Cable, Event & Sales Promotion, AD Film, Modelling, Multiplex & Mall Branding, Flex & Vinyl Digitals Printing.

8th floor, Crescent Tower, Nr. Maurya House, Opp. VIP Plaza, New link Road, Andheri (w), Mumbai - 53, Tel - 67140000 / Fax - 67140011

SHREE PARSHWA
PADMAVATI
ARADHANA
MAHOTSAV
2011
श्री पार्श्व
पद्मावती
आराधना
महोत्सव
२०११
दिव्य, अलंकृत, रोशनीमय देव-देवी मन्डपयुक्त वातानूकूलित
महोत्सव हॉल के संपूर्ण लाभार्थी
मीना किरण मेहता ✻ स्वाती वरुण मेहता ✻ श्वेता मेहुल मेहता ✻ क्रितिका वरुण मेहता
फर्म : वरुण इन्डस्ट्रीझ लिमिटेड, मुंबई

Universal Mind Power Youth & Business development programme

प्रिय दोस्तो,

'आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है। ऐसे समय में हर किसी को 'अपने करियर व भविष्य की चिंता है। 'अतः उनको जरूरत है की 'अपने जीवन को सही तरीके से जिया जाए। यह क्रांतिकारी कार्यक्रम व्यक्ति को उसके तनाव, भावनात्मक 'असुरक्षा, बीमारी इत्यादि में से बाहर निकलने के लिए सहायता करता है। यह कार्यक्रम जो भी 'आप इच्छ रखते है, उसको पाने के दृष्टिकोन के लिए दिक्षित किया गया है।

इस तरह की कार्यशाला व सेमिनार द्वारा भावनात्मक, 'अध्यात्मिक 'और बौधिक योग्यता का स्तर चढ़ाया जाता है। मन, बुद्धि व तकनीकी का इस्तेमाल करके मनोवैज्ञानिक विकास से लेकर व्यापार (Business Development), बिक्री (Sales), कार्यक्षमता, विस्तृतिकरण, व्यक्तित्वविकास 'और बहुत सारी बातों के लिए किया जाता है।

इस तरह की कार्यशाला में निम्न विषयों को लेकर 'आपको 'अपने जीवन में उतारने का प्रयत्न किया जाएगा।

1. Universal Mind Power (मनः शक्ति)
2. Positive Thinking (सकारात्मक सोच)
3. Memory Technique (स्मरण शक्ति)
4. I.Q., E.Q., S.Q. के बारे में जानकारी तथा जीवन में इनका उपयोग करना
5. Goal Setting (लक्ष्य हासिल करना)
6. Time Management (समय का प्रबंधन)
7. Stress Management (तनाव का प्रबंधन)
8. Positive Attitude (सकारात्मक नजरिया)
9. Secrets of Success (सफलता के रहस्य)
10. Yoga & Spirituality (योग व 'अध्यात्मिकता)
11. Universal Law of Life (विश्व के सार्वभोमिक नियम)
12. काल्पनिक शक्ति को सकारात्मक शक्ति से बढ़ाना
13. Parenting Session माता-पिता का 'अपने बच्चों के प्रति सोच व कर्तव्य
14. बच्चों का 'अपने माता-पिता के प्रति सोच व कर्तव्य
15. भारत की धार्मिक पद्धति व विदेशों की वैज्ञानिक पद्धति द्वारा 'अपना विकास करना
16. Health Management & Wealth Management
17. Meditation Technique
18. Business Development & new business Idea
19. Educational Career Guidance
20. Youth Development
21. योग धर्म 'अतःमन व बाहरी मन का उपयोग व 'अन्य बहुत सारे जीवन जीने के तरीके इस सेमिनार में बताए जाएँगे।

इस सेमिनार में भाग लेने व्यक्तियों की न्यूनतम 'आयु १२ वर्ष होनी चाहिए तथा 'अधिकतम 'आयु ११२ वर्ष होनी चाहिए। तथा इसमें कोई भी व्यक्ति चाहे वो विद्यार्थी हो, युवा हो, शिक्षक हो, माता-पिता हो, व्यापारी हो, या चाहे कोई भी प्रोफेस्नल करियर से जुड़ा हो, वो भाग ले सकता है, क्योंकि इसमें जीवन व करियर के हर विषय को सम्मिलित किया गया है। पूरा कार्यक्रम इस तरह से डिजाइन किया गया है कि इससे हिन्दी व 'अँग्रेजी भाषा को समझने वाले 'अच्छी तरह समज सके।

गुरुदेव श्री परम पूज्य डॉ. वसंतविजयजी के 'आशीर्वाद व निर्देशन में 'अभी तक हमारी 'ओर से पूरे भारत के २२ शहरो में यूनिवर्सल माइंड पॉवर, करियर गाइडेन्स एवम् मोटिवेशनल सेमिनार का 'आयोजन करके लगभग १३२३०० व्यक्तियों को ट्रेनिंग देकर उनके जीवन को सुखमय व सफल बनाने की कोशिश की गयी है।

आपके कुशल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ...

डॉ. प्रवीण आर. जैन (ph.D.)

Director Promotion Group of company, Mumbai

- Holds B.sc (Degree) from JNVU, Jodhpur.
- Holds M.A. (Public Admin.) from JNVU, Jodhpur.
- Holds Phd. (Human Psychology).
- Holds Certiflcate of "Train the Trainer".
- Held Seminar across the country in various cities.
- Associated with various organisations.
- Strong believer in Jain Philosophy.

PROGRAMME GUIDE

Date & Day	Topic
1st October 2011 **Saturday** 6.45 pm. to 8.15 pm.	**POSITIVE PARENTING** · Understanding Children's. माता-पिता का अपने बच्चों के प्रति सोच व कर्तव्य · Understanding Parents. बच्चों का अपने माता-पिता के प्रति सोच व कर्तव्य
2nd October 2011 **Sunday** 6.45 pm. to 8.15 pm.	**UNIVERSAL MIND POWER (मनः शक्ति)** · Positive Attitude (सकारात्मक सोच) · Sub conscious mind & conscious mind (अंतः मन व बाह्यमन) · Mind Control Method (मन शक्ति से नियंत्रण करना) · Alpha Meditation (आल्फा मेडिटेशन / शांत अवस्था) · Success, Happiness, Peace, Wealth, Health & Spirituality (सफलता, खुशी, शांति, धन, स्वास्थ्य और अध्यात्मिकता)
3rd October 2011 **Monday** 6.45 pm. to 8.15 pm.	**MIDDLE CLASS TO MILLIONAIRE (मध्यम वर्गीय से मिलियनेर बनना)** · Difference between middle class and millionaires · ऐसी १२ महत्वपूर्ण बातें जिसको अपनाने से आप भी मध्यम वर्गीय परिवार से मिलियनेर बन सकते हैं · Secrets of millionaire (करोड़पति बनने के रहस्य)
4th October 2011 **Tuesday** 6.45 pm. to 8.15 pm.	**DIVINE POWER (दैवीय शक्ति)** · Prayers (प्रार्थना) · Seven Chakras (सात चक्र) शरीर के सातों चक्रों के बारे में वैज्ञानिक व अध्यात्मिक संबंध
5th October 2011 **Wednesday** 6.45 pm. to 8.15 pm.	**TIME MANAGEMENT (समय का प्रबंधन)** · Commitment · Assessment · Time Matrix · Goal (लक्ष्य हासिल करना) · Goal Settings · Goal Characteristics · Achieving the goals
6th October 2011 **Thursday** 6.45 pm. to 8.15 pm.	**LEADERSHIP & YOUTH DEVELOPMENT** · Leadership Theories · Leadership Types.